MR. CHAIRMAN: I can't give any direction; I can only advise him. I hope he is hearing it. Shri Ahamed Hassan and Shri Sukhendu Sekhar Ray have already associated themselves with it. It is already on record.

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

Need to enact Anti-lynching Law

SHRIMATI SHANTA CHHETRI (West Bengal): Mr. Chairman, Sir, thank you for allowing me to speak. I would like to draw the kind attention, through you, of the concerned Minister to this issue. Yet again there was the cow vigilantes' strike in Alwar. This time the target was a youth. This unabetted killing has been going on ever since this Government came into power. Sir, enough precious lives have been lost, in all 88, as per the media reports. Sir, the hon. Supreme Court stated "mobocracy cannot become a new norm". My question to the hon. Minister, through you, is: What are the Government initiatives to prevent any further ruthless killing in the name of cow protection? What preventive measures has the Government taken so far? The Supreme Court has advised the Government to enact anti-lynching law. What is the stand of the Government in this regard? Thank you.

MR. CHAIRMAN: The subject admitted is "Demand to enact anti-lynching law". All the people who are interested may send their names. ...*(Interruptions)*...

SHRI K.K. RAGESH (Kerala): Sir, a separate discussion is required on this. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: You give notice; I will look into it. ...*(Interruptions)*... This is on 'Demand for anti-lynching law". The subject is very important. That is why I allowed it. I hope the Government will take note of it. If you want further discussion, give separate notice.

SHRI K.K. RAGESH: Sir, I associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): महोदय, मैं माननीय सदस्या द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

श्री मोतीलाल वोरा (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

प्रो. मनोज कुमार झा (बिहार): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री सुरेन्द्र सिंह नागर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

श्रीमती झरना दास वैद्य (त्रिपुरा): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

श्री पी.एल. पुनिया (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री राम कुमार कश्यप (हरियाणा): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री संजय सिंह (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री सुशील कुमार गुप्ता (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री दिग्विजय सिंह (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती छाया वर्मा (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं माननीय सदस्या द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I also associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRI BINOY VISWAM (Kerala): Sir, I also associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRI BHUBANESWAR KALITA (Assam): Sir, I also associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRI B.K. HARIPRASAD (Karnataka): Sir, I also associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRIMATI KANIMOZHI (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

MS. DOLA SEN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I also associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRI SUBHASISH CHAKRABORTY (West Bengal): Sir, I also associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRI AHAMED HASSAN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

DR. SANTANU SEN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRIMATI VANDANA CHAVAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

Fast unto death by Shri G.D. Agrawal for cleanliness of Ganga

श्री संजय सिंह (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली): धन्यवाद महोदय। आपने गंगा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर मुझे अपनी बात कहने का अवसर दिया है। गंगा आस्था का प्रतीक है और हिन्दू धर्म के अंदर ऐसी मान्यता है कि मरते वक्त भी लोगों को गंगा जल दिया जाता है। गंगा की ऐसी पवित्रता है। इस सरकार ने गंगा को राष्ट्रीय नदी घोषित किया है। यह सरकार समय-समय पर गंगा की स्वच्छता को लेकर अपनी चिंताएं जताती रहती हैं। सरकार के माध्यम से हजारों करोड़ रुपए गंगा की स्वच्छता के लिए आवंटित भी किए गए हैं। मैं बड़े अफसोस के साथ आपके माध्यम से सरकार को बताना चाहता हूं कि 86 वर्षीय प्रो. जी.डी. अग्रवाल, उर्फ स्वामी सानंद, जो मंत्री महोदया उमा भारती जी को अपनी बहन मानते हैं, वे पिछले 32 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। सरकार का कोई भी प्रतिनिधि उनकी पीड़ा सुनने के लिए तैयार नहीं है। उनकी मांग सिर्फ गंगा की निर्मलता और गंगा की अविरलता को लेकर है। लेकिन सरकार का कोई प्रतिनिधि उनसे बातचीत करने के लिए तैयार नहीं है। आप गंगा